बोल सुबह राम राम

बोल सुबह राम राम मीठी मीठी वाणी रे...

सोने के ही तार सुहा पिंजरों बनाऊ रे,
पिंजरे रे मोती धारी झालरी लगाऊ रे,
बोल सुबह राम राम मीठी मीठी वाणी रे.....

भीतर मिठाई मेवा लाख शी जमाऊ रे,
आमरेडो रस तने घोल घोल पाऊ रे,
बोल सुबह राम राम मीठी मीठी वाणी रे.....

चम्पा के री ढाल सुहा हिनढोलों गलाऊ रे,
हिंडोले बिठा के तने हाथ सु जुलाऊ रे,
बोल सुबह राम राम मीठी मीठी वाणी रे.....

पग्लेया रे माहि थारे पेजनिया पहनाऊ रे,
मीरा गिरधारी शरने आया सुख पाऊ रे,
बोल सुबह राम राम मीठी मीठी वाणी रे...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27438/title/bol-subah-ram-ram

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |